राष्ट्र निर्माण और मूल्यवर्धन के लिए युवाओं का मार्गदर्शन

युवा

हमारे युवा बेटे-बेटियां, न केवल देश को दिशा देने की सामर्थ्य रखते हैं, अपितु वे स्वयं भारत का भविष्य हैं

ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

युवाशक्ति किसी भी देश की वह ताकत है जो उसके भविष्य को बदल सकती है इसलिए हमें जागृत युवा शक्ति की आवश्यकता है। हम जिस दौर से गुजर रहे हैं यह देश और युवाओं के लिए स्वर्णिम युग है। देश में इस समय लगभग 60 प्रतिशत आबादी युवा है, जो आने वाले समय में देश की दशा एवं दिशा के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे है। ऐसे महत्त्वपूर्ण एवं दुर्लभ क्षण में आवश्यकता है वर्तमान पीढ़ी को सशक्त एवं समर्थ बनाने की। राष्ट्र नायक स्वामी विवेकानन्द जी ने जो उद्घोष किया था एक बार फिर उसकी प्रतिध्वनि की आवश्यकता है-उठो जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक रूको नहीं।

युवा शक्ति ही वह शक्ति है जिसने हर समय में युग निर्माण किया। जिस के योग्य नेतृत्व में सभ्यता, संस्कृति आगे बड़ी। फिर चाहे वह प्रभु श्री राम की वानर सेना हो जिसमें अंगद, नल-नील, हनुमान जैसे जज़्बे और समर्पण से भरपूर नौजवान हों। चाहे देश को आज़ाद करवाने वाले शहीद भगत सिंह, कर्तार सिंह सराभा, उधम सिंह जैसे देश भक्त हों या फिर श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा निर्मित खालसा फौज हो। श्री कृष्ण जी के योग्य नेतृत्व में अधर्मियों का नाश करने वाली पांडव सेना हो या फिर विश्वामित्र जी की आज्ञा अनुसार देश के आततायी राक्षसों का नाश करने वाले युवा श्री राम और लक्ष्मण जी हों। हर समय युवा शक्ति ने ही विश्व में नवीन क्षितिज का निर्माण कर देश, कौम, संस्कृति, धर्म आदि की रक्षा की है।

उमंग, उल्लास और ऊर्जा से भरे युवाओं से मिलना और उनके साथ संवाद करना मुझे हमेशा से प्रिय रहा है। क्योंकि हमारे युवा बेटे-बेटियां, न केवल देश को दिशा देने की सामर्थ्य रखते हैं, अपितु वे स्वयं भारत का भविष्य हैं। मेरा मानना है कि युवाओं को रोजगार के अवसर तलाशने के बजाय अपने जीवन का उद्देश्य तलाशना चाहिए यदि उद्देश्य के हिसाब से श्रम करें तो सफलता निश्चित है। जो युवा जहाँ है जिस स्थिति में है वहीं से स्वावलम्बी बन सकता है और आगे बढ़ सकता है। देश में उद्यमिता विकास, कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ा काम हो रहा है और इसमें जाग्रत युवाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी।

जाग्रत नौजवानों का फर्ज है कि वह आलस्य को त्याग कर दूसरों के कल्याण के लिए कदम बढ़ाएं। जाग्रत युवा शक्ति के बल पर ही हम भारतीय इतिहास, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कार और दैनिक जीवन में उत्कर्ष कर सकते हैं। भारत का हर युवा कुशल वक्ता बने और कुशल लेखक बनें, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मार्डन टेक्नोलॉजी, रिसर्च, इनोवेशन, स्टार्टअप्स और अलग-अलग अर्थों में उपस्थित अवसरों को पहचाने और चुनौतियों का समाधान खोजने में अपनी भूमिका निभाएं। इसी के साथ भारत की युवा शक्ति को पर्यावरण की सुरक्षा और इसके संवर्धन के लिए भी आगे आना होगा।

यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि आजादी का अमृत महोत्सव पूरे भारत की युवाशक्ति को बड़े परिवर्तन के लिए उत्प्रेरित करेगा, ताकि शक्तिशाली, आत्मनिर्भर, विश्व गुरु भारत बनने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

अमृतकाल में नए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की ज़िम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है- राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने गणतन्त्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने गुरुवार, 2 फरवरी 2023 को राजभवन ऑडिटोरियम में एनसीसी निदेशालय उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने इस वर्ष गणतन्त्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और विशेष सम्मान प्राप्त करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने पाइप बैंड और सांस्कृतिक नृत्य के ज़रिए मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। राज्यपाल ने एनसीसी कैडेट्स को उनकी विभिन्न उपलब्धियों हेतु बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी भारतीय सशस्त्र बलों का चौथा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के चालीस हज़ार से ज़्यादा कैडेट्स में से मात्र 116 कैडेट्स का गणतंत्र दिवस के लिए चयन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से गणतंत्र दिवस की परेड के लिए जो मेहनत सभी ने की है, उसे आगे भी बरकरार रखने की ज़रूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी में सिखाये जाने वाले एकता और अनुशासन के मूल मंत्र को जीवन के अंतिम पग तक अपनाना चाहिए। उन्होंने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब भविष्य के नेतृत्वकर्ता हैं और अमृतकाल में नए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की ज़िम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएं, उत्तराखण्ड और भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाएं। उन्होंने कहा कि कैडेट्स युवा भारत का नेतृत्व करते हुए डिजिटल क्रांति, स्टार्ट-अप क्रांति, इनोवेशन क्रांति में सहभागी बनते हुए उत्तराखण्ड का नाम रौशन करें। राज्यपाल ने कैडेट्स से स्पेस टेक्नोलॉजी, साइबर, एनीमेशन, गेमिंग सेक्टर, ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक लीडर के रूप में सहभागी बनने की अपेक्षा की।

कार्यक्रम में एनसीसी निदेशालय के अधिकारियों द्वारा कैडेट्स के चयन प्रक्रिया से लेकर गणतंत्र दिवस कार्यक्रम तक की सभी गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया गया। इस दौरान राज्यपाल ने सभी कैडेट्स से मुलाकात कर उनके अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

उत्तराखण्ड में पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए हमें हमारे पर्यटक स्थलों पर साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने किया देहरादून छावनी परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय "दून स्वच्छता चौपाल" का शुभारंभ

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने शुक्रवार, 3 फरवरी 2023 को महिंद्रा ग्राउंड में देहरादून छावनी परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय "दून स्वच्छता चौपाल" का शुभारंभ किया। इस दौरान राज्यपाल ने विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण कर आधुनिक तकनीक से बने कूड़ा निस्तारण उपकरणों व प्लास्टिक वेस्ट से बने उत्पादों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में लगे स्टॉल्स की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा वेस्ट मटेरियल को बेस्ट मटेरियल के रूप में परिवर्तित कर उसको उपयोगी बनाया है, जो कि सराहनीय है। उन्होंने छावनी परिषद को इस आयोजन हेतु बधाई देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि प्लास्टिक और वेस्ट मटेरियल पर गंभीरता से विचार किया जाए व अपने आसपास इसके प्रति जन- जागरूकता फैलाई जाए।

राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2014 से देश में स्वच्छता को लेकर एक नई क्रांति की शुरुआत हुई है, जिसे प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्वच्छ भारत मिशन' के रूप में आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव की शुरुआत है और आने वाले समय में यह बदलाव की लहर बहुत दूर तक जाएगी।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में मौजूद समस्त शहरी निकाय एवं पंचायत प्रमुख से अपेक्षा की है कि वे सभी अपने क्षेत्रों में इंदौर मॉडल को अपनाते हुए अपने नगर निकायों को स्वच्छ बनाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्वच्छता मित्रों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता मित्र ईश्वर के सबसे बड़े दूत के रूप में होते हैं, जो हमारे आसपास स्वच्छता बनाए रखने में हमारे सहयोगी होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है, भारत के साथ ही उत्तराखण्ड भी विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए हमें हमारे पर्यटक स्थलों पर साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है। हमारे धार्मिक एवं पर्यटक स्थल प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में और अधिक वृद्धि होगी, जिसके जरिए प्रदेश की आर्थिकी में भी वृद्धि होगी।

राज्यपाल ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस दो दिवसीय चौपाल के माध्यम से सभी नगर निकायों के प्रतिनिधि एक संकल्प को लेकर जाएँगे और अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाकर उसको उत्कृष्ट बनाएँगे।

नई पीढ़ी को वैज्ञानिक सोच और आधुनिक तकनीक के साथ बढ़ना होगा आगे - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

यूकॉस्ट के सातवें स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल ने किया साइंस सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्किल लैब का उद्घाटन और "ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस" का अनावरण

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने शुक्रवार, 3 फरवरी 2023 को उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के सातवें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर रीजनल साइंस सेंटर देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान राज्यपाल ने साइंस सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्किल लैब का उद्घाटन किया व फ़रवरी दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाली "ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस" का अनावरण किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में यूकॉस्ट के वार्षिक कैलेंडर एवं वार्षिक रिपोर्ट का भी विमोचन किया। इस दौरान राज्यपाल ने रीजनल साइंस सेंटर का भ्रमण कर विस्तृत जानकारी ली।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह युग आधुनिक तकनीक के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। आज नई-नई तकनीकों के जरिए देश-दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि साइंस और टेक्नोलॉजी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, विज्ञान ने हमारे दैनिक जीवन को बेहद सुगम और समृद्ध बना दिया है। राज्यपाल ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का रास्ता चुनना होगा। साइंस और टेक्नोलॉजी के हर क्षेत्र में भारत दुनिया के साथ कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न देश नवीनतम तकनीकों का प्रयोग कर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन सब में भारत इस दिशा में और भी तेज़ रफ़्तार से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को क़ायम रखने के लिए हमारे देश की सेना भी तेज़ी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर देख रहे हैं।

राज्यपाल ने यूकॉस्ट के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सबके लिए खुशी की बात है कि प्रदेश में पहली एआई बेस्ट साइंस लर्निंग लैब की स्थापना हुई है, उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को वैज्ञानिक सोच और आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने अगले सप्ताह आयोजित होने वाले ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस हेतु यूकॉस्ट को शुभकामना देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस विज्ञान कांग्रेस में प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आए बाल वैज्ञानिक, शोधार्थी के बीच मंथन का जो अमृत निकलेगा वह उत्तराखंड को विज्ञान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने में कारगर सिद्ध होगा।

अत्याधुनिक उपकरण से लैस नवजात परिवहन एम्बुलेंस एक अभिनव पहल एवं अन्य संस्थानों के लिए बनेगी रोल मॉडल - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने हिमालयन इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट एम्बुलेंस को किया फ्लैग ऑफ

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने मंगलवार, 7 फरवरी 2023 को राजभवन से नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (NICU) एम्बुलेंस को फ्लैग ऑफ किया। हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जौलीग्रांट देहरादून द्वारा विकसित की गई यह एम्बुलेंस एक एडवांस नियोनेटल ट्रांसपोर्ट एम्बुलेंस (एएनटीए) है जिसके माध्यम से नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की चुनौतियों का समाधान कर उन्हें समुचित उपचार और देखभाल पर कार्य किया जाएगा।

यह एम्बुलेंस नवजात शिशुओं को गंभीर बीमारियों के उपचार व उचित देखभाल में सहायक होगी। नवजात शिशुओं के लिए हर प्रकार की जांचे और अत्याधुनिक उपकरण से लैस नवजात परिवहन एम्बुलेंस एक अभिनव पहल है जो अन्य संस्थानों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में कार्य कर सकती है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने एम्बुलेंस के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में इस तरह के अत्याधुनिक उपकरणों से लैस एम्बुलेंस से नवजात बच्चों के स्वास्थ्य की चुनौतियों का समाधान हेतु कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने में संस्थान ने एक अच्छा कदम उठाया है जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में बच्चों को एम्बुलेंस के माध्यम से समय पर हायर सेन्टर तक उपचार के लिए लाया जा सकेगा। राज्यपाल ने संस्थान के सभी लोगों को इस कार्य के लिए बधाई दी और कहा कि इसका प्रचार-प्रसार किया जाय ताकि जरूरत के समय लोग इस सेवा का लाभ ले पाए।

अधिकारी "राष्ट्र प्रथम" के मूल मंत्र पर कार्य करें, गरीबों और वंचितों के कल्याण की योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिले- राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने तराई भवन, पंतनगर पहुंचकर जनपद के आला अधिकारियों के साथ की बैठक

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने बुधवार, 15 फरवरी 2023 को तराई भवन, पंतनगर उधमसिंह नगर पहुंचकर जनपद के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्यपाल ने जनपद में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि "राष्ट्र प्रथम" के मूल मंत्र पर कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि गरीबों और वंचितों के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिले।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिकी सुधार हेतु विशेष प्रयास किए जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का भरपूर एडवांटेज लिया जाए। राज्यपाल ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों में छाप छोड़ने वाले प्लान तैयार किए जाए। माननीय राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में शुरू किए गए नवाचारी कार्यक्रम रूपांतरण, जन समस्याओं के निस्तारण हेतु शुरू किए गए ई-समाधान चौपाल की तारीफ करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर गहनता से मॉनिटरिंग की जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर भी पैनी नजर रखी जाए। मा.राज्यपाल ने एसएसपी से जनपद की भौगोलिक परिस्थिति के कारण अलग अलग अपराधों एवम साइबर क्राइम के प्रति विशेष लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए तथा एसएसपी के इस कार्य की प्रशंसा की कि उन्होंने गैंगस्टर एक्ट में अपराधियों की संपत्ति जब्तीकरण तथा गुंडा एक्ट में प्रभावी कार्यवाही की है।

देश की प्रगति व उन्नति में सहायक होगा सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में पूर्व सैनिकों का प्रतिनिधित्व - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने राष्ट्रीय सैनिक संस्था के 16 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि किया प्रतिभाग

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने रविवार, 19 फरवरी 2023 को भानियावाला देहरादून में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के 16 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने संस्था की स्मारिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था राष्ट्र सर्वोपरि व राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था के 90 हजार से अधिक सदस्य एक विशाल परिवार को रूप लेकर देश सेवा के महान संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था वीर सैनिकों और राष्ट्रभक्त नागरिकों के साथ व्यक्तिगत और चरित्र निर्माण के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इस परिवार को हमारे हजारों देशभक्त नागरिकों और वीर सैनिकों ने स्वयं समर्पित भावना से बनाया है, इस परिवार का सदस्य होना हर एक के लिए गर्व की बात है।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति और उन्नति उसके नागरिकों पर निर्भर है। नागरिक अपने राष्ट्रभक्ति और अनुशासन के बल पर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी नेतृत्व भावना को पहचानना होगा जिसके बल पर हम भारत को एक बार पुनः विश्वगुरू के शिखर पर आसीन कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और इतिहास समृद्ध है, जो हमें नेतृत्व की भावना के लिए प्रेरित करता है।

विद्यार्थी स्वयं की योग्यता को पहचाने, सोच-विचार को उच्चे स्तर पर लें जाएं और स्वयं को अनुशासन में रखें- राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के दीक्षांत समारोह में प्रदान की 2503 विद्यार्थियों को उपाधि

गुरूवार, 16 फरवरी 2023 को देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय एवं हरित क्रांति की जननी गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आयोजित 34वे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं कुलाधिपति ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह द्वारा 2503 विद्यार्थियों को उपाधि व दीक्षा प्रदान की गयी। उन्होंने दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि पी०एचडी० एक अलग ही लेवल है और आज से 275 उपाधि धारक डॉक्टर कहलाएंगें। इस क्षण डिग्री एवं मेडल लेने आए विद्यार्थियों में एक अलग ही उत्साह दिखा जोकि बहुत ही अहम है। आज उत्तराखण्ड की बेटियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, यहां तक कि एक परिवार की दो बहनों ने मेडल हासिल किया है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों के माता-पिता और गुरूजनों को हार्दिक बधाई दी और विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, गुरूजन एवं सहपाठियों को न भूलें। दीक्षांत समारोह एक महोत्सव की तरह होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सपने देखिए और संकल्प लिजिए। पंतनगर हरित क्रांति की जननी रहा है और पुनः बीज, कृषि और औद्यानिकी में क्रांति लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम यदि पूरी जिम्मेदारी से योगदान करे तो हमें विकसित राष्ट्र और विश्वगुरू होने से कोई रोक नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि त्रिशूल की तरह तीन बातों को विद्यार्थी धारण करें, प्रथम आप स्वयं की योग्यता को पहचाने, द्वितीय सोच-विचार एवं धारणा को बहुत उच्चे स्तर पर लें जाएं और तृतीय स्वयं को अनुशासन में बनाएं रखें।

उन्होंने कीर्ति चक्र से सम्मानित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित किये जाने पर बहुत हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर डोभाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय हमारे राष्ट्र के लिए गौरव का एक स्तम्भ चिन्ह है। हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमें यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश की सेवा उस समय की है कि जब हमारे देश में अकाल की स्थिति थी और अन्य देशों से खाद्यान्न का आयात करना पड़ता था। आज हम खाद्यान्न में सक्षम ही नहीं बल्कि अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं।

हमारे डॉक्टर्स की सेवा और समर्पण के बल पर लोगों को मिल रहा है एक नया जीवन दान - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने 'समर्पण एवं सम्मान' समारोह में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को किया सम्मानित

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने गुरुवार, 23 फरवरी 2023 को देहरादून में अमर उजाला के 'समर्पण एवं सम्मान' में प्रतिभाग कर चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'समर्पण एवं सम्मान' समारोह का आयोजन करने के लिए अमर उजाला परिवार को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि अमर उजाला एक लोकप्रिय और जन सरकारों से जुड़ा समाचार पत्र है, लोगों के दिलों में अमर उजाला के प्रति एक प्रेम और एक जुड़ाव का भाव है। उन्होंने कहा कि अपने पाठकों के साथ जुड़े रहना, लोक हित के मुद्दों को उठाना और सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाना अपने आप में एक बड़ी बात है। अमर उजाला की 'समर्पण एवं सम्मान' की यह पहल प्रेरणादायी है।

सम्मान पाने वाले चिकित्सकों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसी को जीवन देना ईश्वर का कार्य है लेकिन उसकी रक्षा की जिम्मेदारी डॉक्टर्स ने अपने हाथों में ले रखी है और इसीलिए हमारे समाज में डॉक्टर्स को भगवान का रूप माना जाता है।

उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में भी डॉक्टर्स को एक ईश्वरीय अवतार ही बताया गया है, और आज यहां मैं ऐसे डॉक्टर्स को सम्मानित होते हुए देख रहा हूँ जिनकी सेवा और समर्पण के बल पर लोगों को एक नया जीवन दान मिल रहा है। आप सभी समाज के लिए एक आईकॉन और प्रेरणा स्रोत बन गये हैं। आपके कार्यों से हजारों-लाखों लोगों के जीवन में खुशहाली और एक सु:खद परिवर्तन आ रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि आज भारत के चिकित्सकों की ख्याति देश और विदेशों तक है। हमारे डॉक्टर्स ने अनेक कीर्तिमान बनाए हैं, बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनके निदान के लिए लोग भारत में चिकित्सा कराने के लिए आ रहे हैं या फिर विदेशों में भारत के डॉक्टर्स के द्वारा चिकित्सा करायी जा रही है। हमारे डॉक्टर्स की यह क्षमता, निपुणता, और समर्पण हमारे देश की शक्ति का और राष्ट्रभक्ति का स्मरण कराती है। भारत के डॉक्टर्स अपनी प्रतिबद्धता और कार्य कुशलता के बल पर अतुलनीय योगदान दे रहे हैं। हमारे हेल्थ वॉरियर्स की ताकत, उनकी सेवा और समर्पण की भावना को कोरोना काल में देखा है।

यह हमारी जिम्मेदारी कि दिव्यांगजन भी स्वावलंबी एवं सुदृढ़ बनें और उनकी प्रतिभा समाज के सामने उभर कर आये - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का किया शुभारम्भ

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने शनिवार, 25 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित ‘‘विशेष शिक्षा विभाग और दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान पद्धति’’ विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत भी उपस्थित रहे।

भारतीय पुनर्वास परिषद के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यशाला नवीन अनुसंधान पद्धति से दिव्यांगजनों के पुनर्वास व सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को उनकी कठिन स्थितियों से उबरना ही हमारे इस शोध एवं अनुसंधान का उद्देश्य होना चाहिए। हमारी यह जिम्मेदारी है कि दिव्यांगजन भी हमारी ही तरह स्वावलंबी एवं सुदृढ़ बनें और उनकी प्रतिभा समाज के सामने उभर कर आएं। उन्हें प्लेटफॉर्म मिलें और उनकी कला व प्रतिभा को स्थान सम्मान मिलें। राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगजनों की सुरक्षा और संरक्षण सम्बंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता है। हमें विचार करना होगा कि अपने स्तर पर कैसे दिव्यांगजनों के जीवन में सुगमता और सरलता ला सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगों के प्रति हमें अपनी सोच, विचार और धारणा बदलने की जरूरत है। दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा और हुनर के बल पर समाज को बदलने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के पुनर्वास और उनकी भलाई के समाधान खोजने के प्रयास किये जाय। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण व पुनर्वास हेतु नवीन शोध अनुसंधान के द्वारा उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़कर भारत को विकसित व समावेशी देश बनाने में पूरे विश्व के लिए एक आदर्श स्थापित करेगी। राज्यपाल ने मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड विशेष शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभागीय कार्यशाला में 50 विद्यार्थियों को ब्रेल सिखाने एवं एम एड (विशेष शिक्षा) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पूर्णतः दृष्टि बाधित दिव्यांग सुश्री काव्या बोहरा को सम्मानित किया।

पंतनगर विश्वविद्यालय कृषि के क्षेत्र में एक और क्रांति अग्रदूत बने जिससे उत्तराखण्ड के साथ-साथ देश के हर किसान की आय में वृद्धि हो और वह खुशहाल और समृद्ध बनें- राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने पंतनगर विश्वविद्यालय के 113वें अखिल भारतीय किसान मेले और कृषि प्रदर्शनी को वर्चुअली किया संबोधित

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने रविवार, 26 फरवरी 2023 को राजभवन देहरादून से गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के 113वें अखिल भारतीय किसान मेले और कृषि प्रदर्शनी को वर्चुअली संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तिका ''मिलेट्सः खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में महत्व'' का विमोचन भी किया। राज्यपाल ने किसान मेले एवं प्रदर्शनी में आयी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से वर्चुअली संवाद भी किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि के क्षेत्र में एक और क्रांति अग्रदूत बने जिससे उत्तराखण्ड के साथ-साथ देश के हर किसान की आय में वृद्धि हो और वह खुशहाल और समृद्ध बनें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के समय से ही कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की जलवायु विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं सगंधीय पौधों सहित अन्य फसलों के लिए अत्यन्त अनुकूल है। इनके उत्पादन से छोटे एवं मध्यम किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास विकल्प काफी है बस हमें संकल्प लेने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि की दृष्टि से यह वर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण है, संयुक्त राष्ट्र की ओर से यह वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में घोषित किया है। मिलेट्स जिन्हें हम मोटे अनाज के रूप में जानते हैं हमारे देश की प्रमुख फसलें हैं, इसे अब श्री अन्न के रूप में एक महत्व दिया गया है। श्री अन्न को न केवल हमारे छोटे किसानों के लाभ के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा, बल्कि इसलिये भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि इस सेक्टर में स्टार्ट-अप्स के विकास की संभावनायें भी बढ़ें। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय इस दिशा में देश और प्रदेश का मार्गदर्शन करे। उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि सरकारों की ओर से कृषि सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं, ताकि राष्ट्र 'आत्मनिर्भर' बन सके तथा आयात के लिए इस्तेमाल होने वाला धन किसानों तक पहुंच सके। आज का भारत एक युवा भारत है, इसलिए हमें कृषि क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ानी है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि आप सभी अपने नवाचारों के बारे में सरकार और किसान के बीच एक सेतु का काम करे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से विकसित तकनीक को दूरस्थ अंचलों के अंतिम स्तर पर बैठे किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। यह केंद्र लगातार कई किसानों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने और प्रशिक्षण, फ्रंट लाइन प्रदर्शनों और अन्य विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि पंतनगर विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के किसानों, विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें कृषि से जोड़े रखने तथा राज्य की विशेषताओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप शोध एवं प्रसार कर पलायन को रोकने में सक्रिय भूमिका निभायेगा।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन से जहां बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का सफर होगा सुगम वहीं पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राजभवन में आरवीएनएल के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के कार्यों का दिया प्रस्तुतिकरण

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह के समक्ष राजभवन सचिवालय में आरवीएनएल (रेल विकास निगम लिमिटेड) के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर अजीत सिंह यादव ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के कार्यों का प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन के कार्यों की प्रगति के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से उपलब्ध करायी। अधिकारियों ने बताया की 125 किलोमीटर की लम्बाई वाली इस रेल लाइन में कुल 12 रेलवे स्टेशन हैं। रेल लाइन में 17 मेन टनल का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 8 टनल का कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने अवगत कराया कि अभी तक 37 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में अत्याधुनिक तकनीकों व मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और सुरक्षा मानकों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन बहुप्रतिक्षित परियोजना है जो उत्तराखण्ड प्रदेश के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरवीएनएल के अधिकारियों और इस परियोजना में कार्य कर रहे सभी लोगों की प्रशंसा की और कहा कि वे सभी दिन रात कार्य कर रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद इस परियोजना में तेजी से कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा इस रेल लाइन के बनने से जहां बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम का सफर सुगम हो जाएगा वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा जिस तरह इस परियोजना में आधुनिक तकनीकों की सहायता से कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि इस परियोजना में राज्य सरकार के स्तर से कोई भी सहायता या मदद की जरूरत हो उसे प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने इस परियोजना में आ रही चुनौतियों व समस्याओं के लिए भी हर संभव समाधान करने का आश्वासन दिया।

शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल ने पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी से उनके आवास पर की शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल ने इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में श्री कोविंद जी के स्वर्णिम कार्यकाल एवं उनके उत्तराखण्ड प्रवास की यादें साझा कीं और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई

युवा
मासिक संवादपत्र
फरवरी 2023

संपादन : के०के० पांडेय, पारितोष बंगवाल
मार्गदर्शन : ले०जनरल (से०नि०) श्री गुरमीत सिंह
महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड
email: info@ltgengurmit.co.in